No. of Printed Pages : 6

ES-363

BACHELOR OF EDUCATION (B. Ed.)
Term-End Examination
December, 2020

ES-363 : GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are compulsory. All questions carry* ***equal*** *weightage.*

1. Answer the following question in about ***600*** words :

   Explain evaluation of counselling and discuss the various approaches of evaluation.

   Or

   Describe the various guidance services and highlight the role of guidance personnel/ counsellor in it.

2. Answer the following question in about ***600*** words :

Describe the process of counselling. Explain the characteristics of an effective counsellor with the help of a suitable case example.

Or

Discuss the role of teachers and parents in career planning of children.

3. Answer any ***four*** of the following questions in about ***150*** words each :

(a) Explain the importance of family counselling.

(b) Define counselling and differentiate it from related fields.

(c) Discuss the factors influencing the work participation of women in India.

(d) What is cumulative record ? Explain the importance of it in teaching and guidance.

(e) Describe different behaviour problems in students with suitable examples.

(f) Explain the social needs that act as motivation to work.

4. Answer the following question in about ***600*** words :

You may come across with various socio-emotional problems of children with disability. Describe how would you use guidance and counselling techniques to support them to overcome these problems.

ES-363

शिक्षा में स्नातक उपाधि (बी. एड.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

ES-363 : निर्देशन एवं परामर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए :

परामर्श के मूल्यांकन की व्याख्या कीजिए तथा मूल्यांकन के विविध उपागमों की चर्चा कीजिए।

अथवा

विभिन्न निर्देशन सेवाओं का वर्णन कीजिए तथा निर्देशन व्यक्तियों/परामर्शदाता की इसमें भूमिका का उल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए :

परामर्श की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। एक उचित प्रस्थिति उदाहरण देते हुए एक प्रभावी परामर्शदाता के लक्षणों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

बच्चों के वृत्तिक नियोजन में अध्यापकों तथा माता-पिता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग ***150*** शब्दों में दीजिए :

(क) परिवार परामर्श के महत्व की व्याख्या कीजिए।

(ख) परामर्श को परिभाषित कीजिए तथा सम्बन्धित क्षेत्रों से इसका अन्तर बताइए।

(ग) भारत में महिलाओं की कार्यक्षेत्रों में भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।

(घ) संचयी अभिलेख क्या है ? शिक्षण एवं निर्देशन में इसका महत्व बताइए।

(ङ) उचित उदाहरणों सहित बच्चों में विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं का वर्णन कीजिए।

(च) उन सामाजिक आवश्यकताओं की व्याख्या कीजिए जो कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करती हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए :

आपने अशक्तता वाले बच्चों की सामाजिक-संवेगात्मक समस्याओं को सम्भवत: अनुभव किया होगा। इन समस्याओं से निपटने में मदद के लिए आप निर्देशन एवं परामर्श की तकनीकों का प्रयोग कैसे करेंगे ?